बागेश्वर जनपद के ग्राम पुड़ा की महिलाओं की सामाजिक स्थिति का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

राखी किशोर

असिस्टेंट प्रोफेसर समाजशास्त्र रा0डि0का0 काण्डा बागेश्वर

सारांश

समाज में एक महिला अपने जन्म से लेकर मृत्यु तक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है। भारत की लगभग तीन चौथाई आबादी गाँवों में बसी है और अधिकांश महिलाएं ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। ग्रामीण समाज पितृ सत्तात्मक सामाजिक व्यवस्था पर आधारित समाज हैं। जहाँ महिलाओं की सामाजिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं है, महिलाओं को बच्चों का जन्म को जन्म देने, उनके पालन-पोषण, परंतु कामकाज, कृषि व पशुपालन इत्यादि तक ही सीमित रखकर उनके व्यक्तित्व को संकुचित कर दिया है। महिलाओं की स्थिति में सुधार का आरम्भ 19 वीं शताब्दी में प्रारम्भ हुआ। अनेक कुरीतियों व प्रथाओं को समाप्त करने के लिए समाज सुधारकों व ब्रिटिश सरकार द्वारा प्रयास किया गया, जिसके फलस्वरूप धीरे-धीरे उनकी स्थिति में सुधार हुआ। स्वतन्त्रता पश्चात् महिलाओं के सामाजिक जीवन व उनके रहन-सहन में परिवर्तन आना प्रारम्भ हुए, किन्तु सामाजिक दृष्टि में पुरुषों को महिलाओं की अपेक्षा अधिक अधिकार प्राप्त हैं व संसाधनों पर उनकी पहुँच है, जिसके कारण सामाजिक स्तरीकरण में महिलाओं का संस्तरण पुरुषों की अपेक्षा निम्न स्थिति में है। भारतीय परम्परागत समाज में लिंग भेद तथा अन्य असमानताएं पायी जाती हैं प्रस्तुत अध्ययन में ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाली महिलाओं की सामाजिक स्थिति का विश्लेषण किया गया है। साथ ही यह भी देखने का प्रयास किया गया है कि बदलती परिस्थिति और वर्तमान समय में नगरीय जीवन का प्रभाव व ग्रामीण समाज में महिलाओं की सामाजिक स्थिति में परिवर्तन लाने में कितना प्रभावी है।

भारतीय समाज हमेशा से पितृसत्तात्मक मूल्यों पर आधारित रहा है, जिसके कारण महिलाओं की सामाजिक स्थिति निम्न रही है। समाज की वास्तविक स्थिति जानने के लिए यह जानना आवश्यक है कि समाज में महिलाओं की स्थिति कैसी है? उनकी सामाजिक, राजनैतिक, शैक्षिक एवं आर्थिक स्थिति में उनकी क्या सहभागिता है। महिलाएं सदैव ही पारिवारिक सामाजिक और सांस्कृतिक व्यवस्थाओं का आधार रही हैं। समाज में महिलाओं की स्थिति जितनी सशक्त, सुदृढ़ व प्रभावशाली होती है, समाज उतना ही अधिक उन्नत सभ्य और प्रगतिशील होता है। उषा यादव (2004) के अनुसार "समाज में स्त्रियों की सामाजिक स्थिति व भूमिकाएं बहुत कुछ समाज के स्वरूप और विशेषताओं पर निर्भर करती है। वह समाज आधुनिक है अथवा परंपरागत, यह सब सामाजिक परिस्थितियों के रूप को प्रभावित करती है, साथ ही साथ समाज का आकार और संरचना भी स्त्रियों की सामाजिक स्थिति का निर्धारण करती है।"[1] स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् भारत में अनेकों सामाजिक परिवर्तन हुए। जिसके परिणामस्वरूप भारतीय समाज में भी अनेकों परिवर्तन हुए और महिलाओं की स्थिति में भी अनेकों परिवर्तन दृष्टिगत होते हैं, जिससे महिलाओं की स्थिति में भी अनेकों विचारणीय परिवर्तन आये, जिसके परिणामस्वरूप आज महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रही हैं इसके साथ ही एक और पहलू भी है ग्रामीण क्षेत्र पर महिलाओं की स्थिति का विश्लेषण। कुल जनसंख्या का लगभग आधा भाग होने के कारण समाज के संतुलित विकास तथा समृद्धि में महिलाओं की स्थिति की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। इसी सम्बन्ध में प्रदीप कुमार के अनुसार, "सही मायने में राष्ट्र के विकास के यह आवश्यक है कि देश की आधी आबादी को भी अपने अस्तित्व का बोध हो और उसे अपने विकास के सभी अवसर प्राप्त हो"[2]

अनेक ऐतिहासिक एवं सामाजिक-सांस्कृतिक कारणों से भारतीय समाज में विशेषकर ग्रामीण महिलाओं की स्थिति कमजोर बनी हुई है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आर्थिक क्षेत्र में उनकी भागीदारी पुरुषों के तुलना में निम्नतर बनी हुई है। ग्रामीण महिलाएं न केवल गरीबी की समस्या का सामना करती है, बल्कि अनेकों सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक व पारिवारिक समस्याओं का शिकार हैं। भारतीय समाज में आज तक महिलाओं को एक स्वतन्त्र व्यक्तित्व के रूप में स्थान नहीं मिल पाया है। आज भी ग्रामीण क्षेत्र में अपने भरण-पोषण, सुरक्षा व अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए वे पुरुषों पर आश्रित हैं। भारतीय नारि अशिक्षा, कुपोषण, कुरीतियें, अंधविश्वासें, गरीबी, परम्परागत सोच, परिवर्तन की धीमी गति व परिवर्तन को स्वीकार न करना आदि समस्याओं से प्रभावित रहे हैं। जिसका सर्वाधिक प्रभाव ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाली महिलाओं पर पड़ा है। महिलाओं की जनसंख्या का एक आधा हिस्सा गांवों में निवास करता है। इन महिलाओं की स्थिति नगर में रहने वाली महिलाओं से पूर्णतया भिन्न हैं। नदीम हसनैन "(2004) के शब्दों में" यदि सम्पूर्ण देश की जनसंख्या के सन्दर्भ में देखे तो हम पाते हैं कि ग्रामीण महिलाओं की जनसंख्या शहरी महिलाओं की तुलना में कहीं अधिक है। साथ ही

Dr. Madhulika Pathak
Principal
Government Degree College
Kanda (Bageshwar)

Scanned with OKEN Scanner